विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास तेज किए जाएंगे

समीक्षा

- सीएम ने ली औद्योगिक विकास विभाग की बैठक
- निवेशकों को भूमि मिलने में आ रही दिक्कतों पर भी चर्चा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ाने को प्रयास तेज किए जाएं। इसके लिए मौजूदा नीतियों में जरूरी बदलाव किए जाएं। जरूरी हो तो नई नीति बनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को निवेश परियोजनाओं की प्रगति व ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी की तैयारियों के संबंध में औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक में यह बातें कहीं। बैठक में निवेशकों को जमीन मिलने में आ रही मुश्किलों की भी चर्चा की गई। कहा गया कि भू उपयोग परिवर्तन की दरें बहुत ज्यादा हैं। इस कारण उद्यमियों को जमीन बहुत मंहगी पड़ रही है। कृषि भूमि से औद्योगिक भूमि कराने में रेट सर्कल रेट का 25 प्रतिशत है। आंतरिक विकास के दरे 2000 रुपये प्रति वर्गमीटर हैं। इस कारण निवेशकों को एक एकड़ जमीन पर औसतन एक करोड देना पड़ता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नीतियों का अध्ययन कर जहां सहुलियतें दी जा सकती हैं दी जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 हजार निवेश परियोजनाओं के रूप में अब तक 37 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव आ चुके हैं। जो प्रस्ताव ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी के लिए आ सकते हैं, उन पर काम कर निवेशकों को जमीन दिला कर उन्हें शिलान्यास के लिए तैयार किया जाए। नियमित अंतराल पर बैठकें कर निवेशकों की समस्याओं का समाधान कराया जाए।

उत्तराखंड सीख रहा यूपी से निवेश सम्मेलन के गुर

वैश्विक निवेशक सम्मेलन करा चुके यूपी के अनुभव से अब उत्तराखंड भी सीख रहा है। मंगलवार को उत्तराखंड के आईडीसी आनंद वर्धन लखनऊ आए और नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार से मिले और उनके अनुभव जाने। अरविंद कुमार इस साल फरवरी में इस तरह का समिट करा चुके हैं। उत्तराखंड नवंबर दिसंबर में निवेशक सम्मेलन आयोजन करने की योजना बना रहा है।